سُورَةُ الْإِخْلَاص مَكِّيَّةٌ

सूरह इख़लास मक्का में उतारी गई (नाजिल हुई)

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

आरंभ (शुरू) अल्लाह के नाम से जो अत्यंत दयावान, निरंतर (असीम) दयाशील है।

قُلْ هُوَ اللّٰهُ اَحَدٌ ۚ (1)

कहो! (कि) वह अल्लाह एक (अद्वितीय / यकता) है।

اَللّٰهُ الصَّمَدُ ۚ (2)

अल्लाह सर्वथा निर्भर-रहित (अनाश्रित; सर्वावलंब) है।

لَمْ يَلِدْ ۙ وَلَمْ يُوْلَدْ ۙ (3)

ना उसने (किसी को) जना, और ना वह (किसी से) जना गया।

وَلَمْ يَكُنْ لَّهٗ كُفُوًا اَحَدٌ ۚ (4)

और ना कोई भी उसके समकक्ष (बराबर) है।